समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Saturday, 19 September 2026

बांकीपुर उपचुनाव मे प्रंशांत किशोर बड़ी बढ़त पर, निर्दलीय प्रत्याशी लालू प्रसाद यादव को मिले 19 वोट

Sanket Morankar Published on 03 Aug 2026

बिहार की राजनीति में सबसे चर्चित विधानसभा उपचुनावों में शामिल **बांकीपुर विधानसभा सीट** का चुनाव परिणाम राज्य की राजनीति की दिशा तय करने वाला माना जा रहा है। मतगणना के शुरुआती दौर से ही **जन सुराज पार्टी** के संस्थापक **प्रशांत किशोर** ने मजबूत बढ़त बना ली है। यह चुनाव केवल एक विधानसभा सीट का मुकाबला नहीं, बल्कि बिहार की बदलती राजनीतिक तस्वीर का संकेत भी माना जा रहा है।

इस उपचुनाव पर पूरे देश की नजर इसलिए भी बनी हुई है क्योंकि पहली बार चुनावी रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर स्वयं चुनाव मैदान में उतरे हैं। वर्षों तक विभिन्न राजनीतिक दलों के लिए चुनावी रणनीति तैयार करने वाले प्रशांत किशोर अब सीधे जनता के बीच जनादेश मांग रहे हैं। यही कारण है कि बांकीपुर उपचुनाव को उनकी राजनीतिक परीक्षा के रूप में देखा जा रहा है।

मतगणना के दौरान जैसे-जैसे रुझान सामने आए, प्रशांत किशोर लगातार बढ़त बनाए रहे। कई राउंड की गिनती के बाद उनकी बढ़त हजारों वोटों तक पहुंच गई, जिससे यह मुकाबला भाजपा के लिए चुनौतीपूर्ण होता दिखाई दिया। बांकीपुर विधानसभा सीट लंबे समय से भाजपा का मजबूत गढ़ मानी जाती रही है और वर्ष 1995 से इस सीट पर पार्टी का दबदबा रहा है। ऐसे में प्रशांत किशोर की बढ़त को बिहार की राजनीति में संभावित बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

इस चुनाव की एक रोचक घटना भी चर्चा का विषय बनी। मतपत्र पर '**लालू प्रसाद यादव**' नाम के एक **निर्दलीय उम्मीदवार** भी चुनाव मैदान में थे। मतगणना के अनुसार इस उम्मीदवार को **19 वोट** प्राप्त हुए। हालांकि उनका राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव से कोई संबंध नहीं है, लेकिन नाम समान होने के कारण यह मामला सोशल मीडिया और राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बन गया। कई लोगों ने इस पर मजाकिया प्रतिक्रियाएं भी दीं।

उधर भाजपा की ओर से इस चुनाव में **नीरज कुमार सिन्हा** को उम्मीदवार बनाया गया था। चुनाव से पहले भाजपा ने अपने मूल

उम्मीदवार में बदलाव किया था, जिसके बाद मुकाबला और अधिक दिलचस्प हो गया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बदलाव ने चुनावी समीकरणों को प्रभावित किया और चुनाव को त्रिकोणीय मुकाबले का स्वरूप मिला।

बांकीपुर उपचुनाव के दौरान चुनावी माहौल काफी गर्म रहा। मतदान के दिन और उससे पहले भी कई राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप देखने को मिले। प्रशांत किशोर ने मतदान के दौरान पुलिस प्रशासन पर अपने कार्यकर्ताओं को परेशान करने और मतदाताओं को प्रभावित करने के आरोप लगाए थे। उन्होंने इस संबंध में औपचारिक शिकायत भी दर्ज कराई। हालांकि प्रशासन की ओर से चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के दावे किए गए।

राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि यदि प्रशांत किशोर इस चुनाव में जीत दर्ज करते हैं तो यह केवल एक सीट की जीत नहीं होगी, बल्कि बिहार में जन सुराज पार्टी के लिए एक बड़ा राजनीतिक संदेश होगा। दूसरी ओर यदि भाजपा इस सीट को बचाने में सफल रहती है तो वह अपने पारंपरिक गढ़ को कायम रखने का दावा करेगी। यही कारण है कि इस उपचुनाव को आगामी बिहार विधानसभा चुनाव से पहले एक महत्वपूर्ण राजनीतिक संकेत माना जा रहा है।

बांकीपुर सीट का इतिहास भी इस चुनाव को विशेष बनाता है। यह सीट वर्षों से भाजपा के प्रभाव वाली मानी जाती रही है। भाजपा के वरिष्ठ नेता नितिन नवीन के राज्यसभा जाने के बाद यह सीट खाली हुई थी, जिसके चलते उपचुनाव कराया गया। चुनाव प्रचार के दौरान विकास, कानून व्यवस्था, शिक्षा, रोजगार और स्थानीय मुद्दे प्रमुख रहे।

मतगणना के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे और चुनाव आयोग की निगरानी में सभी राउंड की गिनती पारदर्शी तरीके से की गई। जैसे-जैसे परिणाम अंतिम चरण की ओर बढ़ रहे हैं, समर्थकों की उत्सुकता भी बढ़ती जा रही है। प्रशांत किशोर के समर्थकों में उत्साह का माहौल देखा गया, जबकि अन्य राजनीतिक दल अंतिम परिणाम का इंतजार कर रहे हैं।

फिलहाल उपलब्ध रुझानों में प्रशांत किशोर स्पष्ट बढ़त बनाए हुए हैं, लेकिन निर्वाचन आयोग द्वारा अंतिम परिणाम घोषित किए जाने के बाद ही आधिकारिक विजेता की पुष्टि होगी। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि बांकीपुर उपचुनाव का अंतिम परिणाम बिहार की राजनीति में नई बहस और नए समीकरणों को जन्म दे सकता है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.